आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 32 | जयपुर, शुक्रवार 15 अगस्त, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

सभी पाठकगण एवं विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सूचना...

सूचित किया जाता है कि 15 अगस्त 2026 के उपलक्ष्य में अतुल्य संसार समाचार पत्र कार्यालय में अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक दिनांक 17 अगस्त 2026 को प्रसारित होगा।

-सम्पादक

छात्र गलत हों, तब भी उन्हें विरोध का अधिकार: सीजेआई

हैदराबाद यूनिवर्सिटी में विरोध करने वाले छात्रों का पंजीयन रोकने पर बार काउंसिल को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी, NALSAR से जुड़े विवाद पर काउंसिल ऑफ इंडिया को फटकार लगाई। CJI सूर्यकांत ने कहा कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत ने BCI के उस सर्कुलर पर भी नाराजगी जताई जिसमें NALSAR के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने को कहा गया था। CJI ने कहा- यह मेरे और छात्रों के बीच का मामला है। इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं थी। बार काउंसिल इसमें दखल देने वाला कौन होता है? सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस भी जारी किया और यूनिवर्सिटी के किसी छात्र या फैकल्टी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। NALSAR के करीब 450 छात्र जस्टिस सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह 2026का चीफ गेस्ट बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

CJI की टिप्पणी से नाराज हैं छात्र

NALSAR यानी नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी है। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। इनमें से करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर **CJI** को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख अभी तय नहीं है। छात्रों की नाराजगी **CJI** की पिछले महीने की एक टिप्पणी को लेकर थी। यह टिप्पणी दिल्ली में **NEET** प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी।

बार काउंसिल ने सभी 2026 ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोक दिया था

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने 13 अगस्त को सभी स्टेट बार काउंसिलों को निर्देश दिया कि इस बैच के 2026 बैच के किसी भी ग्रेजुएट को अगले आदेश तक वकील के तौर पर एनरोल न किया जाए। साथ ही यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई थी। यूनिवर्सिटी से उन लोगों की पहचान करने को कहा गया, जो कैंपेन शुरू करने, उसका ड्राफ्ट तैयार करने, उसे फैलाने, छात्रों को जुटाने, मीडिया से संपर्क करने, ऑनलाइन ग्रुप चलाने या बहिष्कार की अपील करने में मुख्य भूमिका में थे। काउंसिल ने अपने शुरुआती लेटर में कहा था कि कानून के छात्र से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद के प्रति सम्मान की उम्मीद की जाती है। सम्मान न करने वाले छात्र भविष्य में जिम्मेदार वकील, शिक्षक या जज बनने की भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते। **BCI** ने यह भी आरोप लगाया था कि कुछ शिक्षकों के बीच ग्रुपिज्म और गंदी राजनीति ने छात्रों को कैंपेन के लिए उकसाने में भूमिका निभाई।

15 मईः CJI ने कहा था- कुछ युवा कॉकरोच की तरह भटक रहे

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान युवाओं पर टिप्पणी की थी। **CJI** सूर्यकांत ने कहा था- कॉकरोच की तरह ऐसे युवा हैं, जिन्हें इस पेशे में रोजगार नहीं मिल रहा है। इनमें से कुछ मीडिया, कुछ सोशल मीडिया और कुछ **RTI** और दूसरे तरह के एक्टिविस्ट बन रहे हैं। ये हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।' इस बयान के बाद ही 16 जुलाई को अभिजीत दीपके नाम के शख्स ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से सोशल मीडिया पेज बनाया। इसने ही दिल्ली जंतर-मंतर पर 35 दिन तक प्रदर्शन किया था।

22 जुलाईः CJI ने कहा था- हमें वीडियो देखने में दिलचस्पी नहीं है

दरअसल, 22 जुलाई को एक वकील ने **CJI** की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील ने कहा- छात्र महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे हैं। लेकिन उन पर पुलिस की बर्बरता के वीडियो भी हैं। यदि संभव हो तो मामले की सुनवाई जल्द की जाए। इस पर **CJI** सूर्यकांत ने कहा था, हमें वीडियो में दिलचस्पी नहीं है, हमारे पास देखने का समय नहीं है। जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो **CJI** ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।

कुछ घंटे बाद ही BCI ने आदेश बदला

आदेश जारी होने के कुछ घंटे बाद **BCI** ने अपना रुख बदल दिया। काउंसिल ने कहा कि **NALSAR** के 2026 बैच के ज्यादातर छात्र निर्दोष हैं और वे **CJI** के अनादर वाले किसी अभियान में शामिल होने के इच्छुक नहीं थे। **BCI** ने कहा कि कुछ शिक्षकों और बाहरी लोगों ने निर्दोष छात्रों को इस अभियान में शामिल करने की कोशिश की। इसके बाद सभी छात्रों को अपनी पसंद की स्टेट बार काउंसिल में एनरोल होने की अनुमति दे दी गई। हालांकि उस समय **BCI** ने कहा था कि वह **NALSAR** के वाइस चांसलर की रिपोर्ट का इंतजार करेगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी BCI के एक्शन पर सवाल उठाए

बार काउंसिल ऑफ इंडिया के शुरुआती आदेश पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सीनियर वकील विकास सिंह ने भी आपत्ति जताई थी। उन्होंने इसे मनमाना, गैरकानूनी और जरूरत से ज्यादा कार्रवाई बताते हुए कहा था कि छात्रों को अपनी बात रखने के कारण वकालत में प्रवेश से वंचित करने की धमकी नहीं दी जानी चाहिए।

जुलाई में थोक महंगाई 9.87% से घटकर 9.78% हुई

ईंधन और बिजली में थोड़ी राहत, लेकिन खाने-पीने की चीजें महंगी

नई दिल्ली। जुलाई में थोक महंगाई दर मामूली घटकर 9.78% हो गई। एक महीने पहले जून में ये 9.87% थी। जुलाई की दर जून के मुकाबले 0.09% कम रही। आज 14 अगस्त को सरकार ने ये आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई दर घटकर 9.78% पर आने का मतलब यह है कि सामान सस्ता नहीं हुआ है, बल्कि उसके महंगे होने की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है। यानी जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.78 का है। कीमतें नीचे गिरने के बजाय अब भी बढ़ ही रही हैं, बस उनके बढ़ने की स्पीड जून के मुकाबले जुलाई में मामूली सी सुस्त हुई है।

पुलिस-फायर सर्विस के 301 कर्मियों को गैलेंट्री अवॉर्ड

इनमें नक्सल इलाकों के 197 जवान, कुल 1057 लोगों को मेडल; स्वतंत्रता दिवस पर केंद्र का ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है। इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इनके अलावा CBI के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनकी सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, नॉर्थ-ईस्ट के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है। गैलेंट्री मेडल ऐसे कर्मियों को दिया जाता है जिन्होंने जान बचाने, संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाई हो।

92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल, 664 को मेरिटोरियस सर्विस मेडल

सरकार ने 92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस दिया है। इनमें 83 पुलिस सेवा, 4 फायर सर्विस, 3 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 2 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं। यह सम्मान सेवा में विशेष और उत्कृष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है। इसके अलावा 664 कर्मियों को मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस से सम्मानित किया गया है। इनमें 606 पुलिस, 28 फायर सर्विस, 18 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 12 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं।

ईरान जंग ने तेल कारोबार का तरीका बदला

होर्मुज पर खाड़ी देशों का भरोसा खत्म, अब नई पाइपलाइन पर अरबों डॉलर खर्च हो रहे

नई दिल्ली। छह महीने पहले तक खाड़ी देशों के लिए तेल बेचना बेहद आसान था। सबसे कम लागत में तेल निकालो, होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते दुनिया तक पहुंचाओ और सबसे ज्यादा कीमत देने वाले देशों को बेच दो। लेकिन ईरान के साथ जंग के बाद यह मॉडल बदल गया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से तेल ढुलाई लगातार प्रभावित रही। समुद्री बारूदी सुरंगों, मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे, अमेरिका और ईरान की नाकेबंदी तथा बढ़ी बीमा लागत के कारण इस रास्ते से हर दिन गुजरने वाला कच्चा तेल 2 करोड़ बैरल से घटकर 37 लाख बैरल रह गया। इसी वजह से सऊदी अरब, UAE और कुवैत समेत कई खाड़ी देश अब होर्मुज पर निर्भरता कम करने में जुट गए हैं। नई पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं, पुरानी लाइनों की क्षमता बढ़ाई जा रही है और एशिया में ऑयल स्टोरेज तैयार किया जा रहा है। UAE के फुजैरा पोर्ट पर दिन-रात काम चल रहा है। यहां ऐसी नई पाइपलाइन और दूसरी सुविधाएं तैयार की जा रही हैं, जिनकी मदद से होर्मुज स्ट्रेट को बायपास कर तेल निर्यात किया जा सके। UAEके फुजैरा पोर्ट पर दिन-रात काम चल रहा है। यहां ऐसी नई पाइपलाइन और दूसरी सुविधाएं तैयार की जा रही हैं, जिनकी मदद से होर्मुज स्ट्रेट को बायपास कर तेल निर्यात किया जा सके।

UAE चाहता है, पूरा तेल होर्मुज से गुजरे बिना निर्यात हो

इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल **UAE** है। इस देश का कारोबार काफी हद तक व्यापार और समुद्री रास्तों पर निर्भर है। लेकिन होर्मुज संकट का सबसे ज्यादा असर भी उसी पर पड़ा। इसलिए अब वह ऐसे नए रास्ते तैयार कर रहा है, जहां से व्यापार और तेल निर्यात होर्मुज स्ट्रेट पर निर्भर न रहे। इसके लिए ओमान की खाड़ी के किनारे बसे फुजैरा में दूसरी तेल पाइपलाइन का काम तेजी से चल रहा है। यह पाइपलाइन अबू धाबी के तेल क्षेत्रों को सीधे फुजैरा से जोड़ेगी, जिससे टैंकरों को होर्मुज से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रोजेक्ट पूरी होने के बाद **UAE** की होर्मुज स्ट्रेट को बायपास कर तेल निर्यात करने की क्षमता बढ़कर 36 लाख बैरल प्रतिदिन हो जाएगी। यानी कि अबू धाबी के लगभग पूरे ऑनशोर तेल को बिना होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश किए सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजा जा सकेगा। ऑनशोर तेल का मतलब है जमीन पर स्थित तेल इलाके से निकाला गया कच्चा तेल। इसके उलट ऑफशोर तेल समुद्र के अंदर बने तेल कुओं से निकाला जाता है। **UAE** सिर्फ तेल ही नहीं, गैस कारोबार को भी सुरक्षित बनाने में जुटा है। उसकी सरकारी कंपनी एडीएनओसी ने प्राकृतिक गैस परियोजनाओं में 8.2 अरब डॉलर निवेश करने का ऐलान किया है। साथ ही पूर्वी तट पर नया **LNG** निर्यात टर्मिनल बनाने की योजना है, ताकि भविष्य में गैस निर्यात भी होर्मुज स्ट्रेट पर कम निर्भर रहे।

कुवैत और इराक भी नए रास्ते तलाश रहे

कुवैत सऊदी अरब और अन्य अरब देशों के साथ ऐसी पाइपलाइन पर चर्चा कर रहा है, जो उसके तेल क्षेत्रों को रेड सी या ओमान के बंदरगाहों से जोड़ सके। वहीं, इराक और जॉर्डन ने कई साल से रुकी पाइपलाइन परियोजना फिर शुरू कर दी है। इसके जरिए हर दिन 10 लाख बैरल तक तेल रेड सी के अकाबा बंदरगाह तक भेजा जा सकेगा। इराक, किरकुक से सीरिया के भूमध्यसागरीय तट तक जाने वाली क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत भी तेज कर रहा है।

भारत-जापान-साउथ कोरिया में भी तेल जमा कर रहे

खाड़ी देशों की रणनीति सिर्फ नई पाइपलाइन बनाने तक सीमित नहीं है। वे भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में अतिरिक्त तेल भंडारण भी तैयार कर रहे हैं। ताकि अगर भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से बंद हो जाए, तो तेल पहले से ही उसके बाहर मौजूद रहे और सप्लाई नहीं रुके।

सऊदी ने रेड सी को बनाया नया रास्ता

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते खतरे के बाद सऊदी अरब ने अपनी 1,201 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा दिया है। 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान बनी यह पाइपलाइन देश के पूर्वी तेल क्षेत्रों को रेड सी के यानबू पोर्ट से जोड़ती है। अब सऊदी अरब इसी पाइपलाइन के जरिए हर दिन 70 लाख बैरल कच्चा तेल रेड सी के रास्ते दुनिया के बाजारों तक भेज रहा है। सरकार इसकी क्षमता में 10 से 20 लाख बैरल प्रतिदिन की और बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। साथ ही रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के लिए समानांतर नई पाइपलाइन बनाने पर भी काम चल रहा है।

वांगचुक बोले- 2047 तक भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा

श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे देश हमसे आगे; सही नेतृत्व मिले, इसके लिए शांतिपूर्ण क्रांति जरूरी

नई दिल्ली। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय का जिक्र करते हुए कहा कि अगर मौजूदा स्थिति जारी रही तो 2047 तक भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा। वांगचुक के मुताबिक श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे देश भारत से आगे निकल चुके हैं। देश को सही नेतृत्व चुनने के लिए शांतिपूर्ण क्रांति की जरूरत है। उन्होंने गुरुवार देर रात एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस दौरान उन्होंने देश और उसके भविष्य को लेकर काफी सोचा। 50 साल पहले भारत से पीछे और बराबर रहने वाले कई पड़ोसी देश अब काफी आगे निकल चुके हैं। थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका और बांग्लादेश इसका उदाहरण है। अगर भारत को 2047 तक

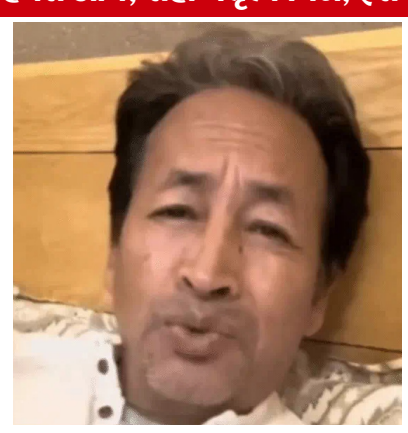

दुनिया में एक सम्मानित देश बने रहना है तो बड़े बदलाव की जरूरत है। देश में शासन और व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को किसी एक राजनीतिक पार्टी तक सीमित नहीं किया जा सकता। अलग-अलग पार्टियों की सरकारों के दौरान भी विरोध की आवाजों को दबाया गया है। 2012-13 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद राजनीतिक बदलाव हुआ। सरकार बदलने के बावजूद भ्रष्टाचार और अन्याय खत्म नहीं हुआ। अब इन समस्याओं ने एक नया रूप ले लिया है और पहले से ज्यादा गंभीर हो गई हैं। देश को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व चुनने के तरीके में बदलाव जरूरी है। भारत को शांतिपूर्ण क्रांति की जरूरत है, ताकि देश को सही नेतृत्व मिल सके। ऐसे लोगों की तलाश है, जो निस्वार्थ, निडर, चरित्रवान और सक्षम हों। पता नहीं ऐसे लोग देश में कहां हैं। लोगों से अपील है की वे अपने क्षेत्र और देश से कम से कम एक ऐसे व्यक्ति का नाम सुझाएं। इन लोगों के नाम मेरे लिए स्वतंत्रता दिवस का तोहफा होगा।

डोभाल बोले- भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें

भारत सख्त जवाब दे सकता है; 88 घंटे ऑपरेशन सिंदूर चलाया, आतंकी कैंप तबाह किए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा कि भारत की उदारता और सहनशीलता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत जोखिम उठा सकता है और नतीजों की परवाह किए बिना कड़ा प्रहार कर सकता है। डोभाल ने यह बात डिस्कवरी की आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'डिक्लासिफाइड- ऑपरेशन सिंदूर' में कही है। यह ऑपरेशन 88 घंटे चला था और इसका मकसद खास तौर पर पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार दुश्मन के कैंप तबाह करना था। यह ऑपरेशन पर डोभाल का पहला इंटरव्यू है। उन्होंने कहा, हमने ऑपरेशन का मकसद दुश्मन के कैंप तबाह करना तय किया था, खास तौर पर उन कैंपों को, जो पहलगाम हमले के जिम्मेदार थे। डिस्कवरी ने एक बयान में बताया कि दो हिस्सों वाली यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े फैसलों और घटनाओं को सामने लाएगी। इसमें भारत के सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व को शामिल किया गया है। सीरीज में उन लोगों के प्रत्यक्ष अनुभव भी बताए जाएंगे, जिन्होंने भारत की प्रतिक्रिया की निगरानी की थी। डोभाल इसमें सैन्य कार्रवाई के पीछे लिए गए फैसलों और भारत के संकल्प के बारे में बताएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

कैप्टन बिजेन्द्र सिंह बोरई ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय हरि सिंह के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दीपचंद शर्मा कुम्हेर। स्थानीय लक्ष्मी मैरिज होम में कैप्टन ब्रिजेन्द्र सिंह जी अध्यक्ष जीएसएस ऑपरेटिव बोरई ने स्वर्गीय हरि सिंह पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार के दसवीं पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि अर्पित की । इस अवसर डीग जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह, देबू बोरई, लाखन बोरई,धांसू बोरई एवं गौरांश सिनसिनवार जी उपस्थित थे ।

सिकरोरी हत्याकांड के मुलजिमों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक से मिले

गिरफ्तार करने का दिया आश्वासन

दीपचंद शर्मा डीग। कुम्हेर के सिकरोरी हत्याकांड के मुलजिमों को गिरफ्तार करने की माँग को लेकर सिकरोरी के करीब सौ से अधिक लोगों ने एसपी डीग कांबले शरण गोपीनाथ से मुलाक़ात की । ज्ञात रहे कि विगत 2 दिसंबर 2012 को पीचूमर के नामजद दबंगों ने सिकरोरी के दो युवकों को गोली से मार दिया था जबकि सात जने गोली लगने से घायल हो गए थे। स्त्रद्धक्र न. 425/2012 में नामजद अपराधियों दिगंबर सिंह पुत्र शोभाराम, विजेंद्र सिंह पुत्र शोभाराम, जगन्नाथ पुत्र शोभाराम, वेदप्रकाश पुत्र रोशनलाल, बदनसिंह पुत्र

हुब्बलाल, दिनेश पुत्र बल्लू, महेश पुत्र खुशीराम, सतीश पुत्र अर्जुन सिंह, लोकेन्द्र पुत्र दिगंबर सिंह, जितेन्द्र पुत्र सुजान निवासी पिचुमर तहसील कुम्हेर तथा सीटू उर्फ भगवान सहाय पुत्र जहाँनी मीणा निवासी रामनगर तहसील कुम्हेर, दरब सिंह पुत्र केशव देव निवासी सालिमपुर पुलिस थाना नदबई के विरुद्ध धारा 302 एवं 307 भारतीय दंड संहिता के गंभीर प्रकृति के आरोपी मानते हुए माननीय न्यायालय कुम्हेर ने 14 जुलाई 2026 को उक्त 12 जनों के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं, लेकिन कुम्हेर थाने की पुलिस अपराधियों तक नहीं पहुँच पा रही है। इसी पीड़ा और आक्रोश को लेकर सिकरोरी के सौ से अधिक लोग पुलिस अधीक्षक डीग से मिले और अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की माँग की । पुलिस अधीक्षक डीग ने गाँव वालों को अपराधियों के शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया । इस मौके पर ईश्वर दयाल, गंगा, कृष्णमुरारी, बॉबी पहलवान, शहजाद नेता, मुरारी मास्टर, छेलबिहारी, चन्द्रभान, कृष्णा, रामदयाल, कन्हैया, सुनील, गिर्राज, दीनदयाल, गौरीशंकर, गोपाल प्रधान, महेश, भूदेव, दिनेश, रमन, भजनलाल, आदि मौजूद रहे ।

पचलंगी की पूर्व सरपंच स्वर्गीय कमला भावरिया को किए श्रद्धा सुमन अर्पित

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा व सीकर के पूर्व सांसद सूबेदानंद महाराज पहुंचे श्रद्धांजलि देने

बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी स्वर्गीय कमला भावरिया...... झाबर सिंह खर्रा

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी झडाया नगर निवासी व पचलंगी की पूर्व सरपंच स्वर्गीय कमला भावरिया का पिछले दिनों आकस्मिक निधन हो जाने पर उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है। शुक्रवार को उनके आवास पर राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सीकर भाजपा के पूर्व सांसद सूबेदानंद महाराज श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे द्य यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा व सूबेदानंद महाराज ने स्वर्गीय कमला भावरिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सच्ची श्रद्धांजलि दी द्य इस दौरान श्रद्धांजलि देने वालों में भागीरथ मल मोढवाडिया, महेंद्र गुर्जर ,विनोद खोखर, सुंदरलाल भावरिया, होशियार सिंह, बीरबल शेषमा सहित सैकड़ो की संख्या में गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोग कमला भावरिया को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास पर पहुंचे।

उदयपुरवाटी में निकाली तिरंगा रैली

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। कस्बे में शुक्रवार को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशा अनुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत उदयपुरवाटी शहर मंडल के मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी एवं रैली संयोजक पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश सैनी के नेतृत्व में विशाल तिरंगा रैली निकाली गई द्य जिसमें मुख्य अतिथि शुभकरण चौधरी पूर्व विधायक उदयपुरवाटी विशिष्ट अतिथि तानिया रिणवा उपखंड अधिकारी उदयपुरवाटी, जे आर कुड़ी तहसीलदार उदयपुरवाटी, ग्रीन फ्लावर स्कूल के निर्देश सुभाष ओलखा, पूर्व मंडल अध्यक्ष गीदा राम सैनी आदि शामिल हुए द्य सभी कार्यकर्ताओं ने तिरंगा हाथों में लेकर भारत माता की जय के नारे लगाते हुए घूम चक्कर ,सीकर रोड उदयपुरवाटी से रवाना होकर नई सब्जी मंडी, चुंगी नंबर 3 ,जांगिड़ कॉलोनी से मेंन मार्केट होते हुए शाकंभरी गेट से वापस घूम चक्कर पर रैली का समापन हुआ द्य इस मौके पर पूर्व महामंत्री जबर सिंह शेखावत, मंडल महामंत्री राजेंद्र ढेनवाल, वीरेंद्र शेखावत ,घनश्याम स्वामी, रमाकांत महाराज ,दिनेश सैनी , संदीप सोनी ,हरीश शर्मा ,गिरधारी लाल राठी, विकास सैनी, विनोद सैनी, नितेश सैनी, रजत मौर्य ,बीरबल सैनी, धनाराम सैनी, चोरे लाल सैनी, प्रभु दयाल सैनी, आनंद सैनी ,सुभाष सैनी, अंकित चौधरी ,महावीर प्रसाद सैनी आदि कार्यकर्ता विशाल तिरंगा रैली में शामिल हुए।

नारेहड़ा में तिरंगा रैली, भारत माता की जय के नारों से गूंजा गांव

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों ने निकाली रैली

नारेहड़ा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को नारेहड़ा के विवेकानंद उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर के विद्यार्थियों के द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर देशभक्ति के नारों से गांव के माहौल को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। रैली को गांव के गणमान्य नागरिक मांगू सिंह, बालिका स्कूल नारेहड़ा के प्रधानाचार्य मुकेश शर्मा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नारेहड़ा के व्याख्याता हरिसिंह तथा विद्यालय के निदेशक रतन लाल सैनी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली गांव के प्रमुख मार्गों व चौराहों से होकर गुजरी। इस दौरान छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष लगाए। जगह-जगह ग्रामीणों व राहगीरों ने रैली का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। रैली के दौरान ग्रामीणों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घर-घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया गया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन-बान-शान का प्रतीक है और प्रत्येक नागरिक को इसके प्रति सम्मान की भावना रखनी चाहिए रैली का उद्देश्य ग्रामीणों एवं युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने के साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव का संदेश देना रहा।

विद्यालयों में मनाया गया संकल्प दिवस

विद्यार्थियों ने लिया अखंड भारत का संकल्प

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। कस्बे सहित आसपास के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अखंड भारत की पेंटिंग बनाकर देश की एकता एवं अखंडता के प्रति अपने संकल्प को व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पंच परिवर्तन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दैनिक जीवन में इसके मूल्यों को अपनाकर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। विद्यार्थियों को राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। शहीद देवीसिंह राजकीय विद्यालय इंद्रपुरा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय छापोली, एकता पब्लिक स्कूल तथा एसएमएस स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में संकल्प दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और उन्नति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षा किसी भी उन्नत समाज की रीढ़ होती है - विधायक पटेल

कोटपूतली शहर में विकास कार्यो की बडी सौगात...., विधायक हंसराज पटेल ने राजकीय बडाबास विधालय में नवनिर्मित कमरों व शौचालय का किया लोकार्पण, विधायक ने की विज्ञान व कंप्यूटर लैब के लिए 67.28 लाख रूपये की घोषणा

कोटपूतली। कोटपूतली क्षेत्र में शैक्षणिक आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास की राह पर निरंतर आगे बडते हुए शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बडाबास में एक भव्य लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हंसराज पटेल ने विद्यालय में समग्र शिक्षा अभियान के तहत नवनिर्मित दो कमरों, बरामदे और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय यूनिट्स का पट्टिका का अनावरण कर एवं फीता काटकर विधिवत लोकार्पण किया। इस पूरे निर्माण कार्य की कुल लागत लगभग 27.68 लाख है। लोकार्पण के पश्चात विधायक ने नवनिर्मित भवन का बारीकी से निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर विधायक पटेल ने कहा कि शिक्षा किसी भी उन्नत समाज की रीड होती है। हमारा यह दृड विष्वास है कि जब हम एक बच्चे को बेहतर शिक्षा देते हैं, तो हम एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। इसी सोच के साथ, शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत (इन्फ्रास्ट्रक्चर) सुविधाओं का विस्तार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यालय में होने वाले इन बुनियादी विकास कार्यों से यहाँ अध्ययनरत विधार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा, जिससे उनका पडाई में मन लगेगा। आवश्यक सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। हमारा संकल्प केवल स्कूलों तक सीमित नहीं है। कोटपूतली के संपूर्ण विकास के लिए हमारा त्रि-आयामी दृष्टिकोण है, जिनमें सार्वजनिक

स्थानों और शिक्षण संस्थानों का सौंदर्यीकरण, आमजन और विद्यार्थियों के लिए बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना व कोटपूतली को साफ-सुथरा और स्वास्थ्यप्रद बनाना। कोटपूतली के चहुंमुखी विकास के लिए हमारी यह निरंतर प्रतिबद्धता और कार्य इसी तरह जारी रहेगा। हम रुकने वाले नहीं हैं, हमारा लक्ष्य कोटपूतली को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाना है, विकास की राह पर निरंतर आगे बडता हमारा कोटपूतली। आज मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पीएम श्री सेठ लक्ष्मीचंद ज्ञानवती देवी सवाईका राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रार्थना स्थल पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के कार्य का लोकार्पण संपन्न हुआ है। यह केवल टाईल्स लगाना नहीं, बल्कि हमारी बेटियों को एक स्वच्छ, सुंदर और गरिमापूर्ण वातावरण देने का एक छोटा सा प्रयास है।

भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और अतिथियों का स्वागत

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य भुवनेष्वर सिंह यादव ने की, जबकि संचालन व्याख्याता सतीश सराधना द्वारा किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अरुण सैनी, पूर्व चेयरमैन एड. महेंद्र कुमार सैनी, पूर्व पार्षद हरदान पायला व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की बालिकाओं ने मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इसके बाद विद्यालय परिवार, स्टॉफ व कस्बावासियों द्वारा विधायक पटेल का साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर व प्रतीक चिन्ह भेंटकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

प्रधानाचार्य ने रखी मांग, विधायक ने दी बडी सौगात

समारोह के दौरान प्रधानाचार्य भुवनेष्वर सिंह यादव ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और स्कूल में छात्रों के लिए पानी की बोरिंग करवाने की मांग विधायक पटेल के सामने रखी। जिस पर विधायक हंसराज पटेल ने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने विद्यालय में विज्ञान प्रयोगशाला (साईंस लैब) और कंप्यूटर प्रयोगशाला (कंप्यूटर लैब) के विकास के लिए 67.28 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करवाने की घोषणा की, जिससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल सकेगी।

राजकीय बालिका विद्यालय में भी हुआ लोकार्पण

विधायक हंसराज पटेल ने कस्बे के बानसूर रोड स्थित 'पीएम श्री सेठ लक्ष्मीचंद ज्ञानवती देवी सवाईका राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय' का भी दौरा किया। वहां उन्होंने छात्राओं की सुविधा के लिए प्रार्थना स्थल पर इंटरलॉकिंग टाईल्स लगाने के कार्य का लोकार्पण किया। पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला ने अतिथियों व कस्बावासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान युवा नेता जयसिंह पायला (लाला वीआईपी), राकेश अग्रवाल, राहुल शर्मा, आशा देवी, नरेशी भरगड़, खुशबू गोदारा, राजेश यादव, रघुवीर मीणा, मातादीन मीणा, हजारी राय, चिरंजी पायला, पूर्ण भगतजी, हनुमान गुर्जर, पप्पू पायला, राजवीर गुर्जर, रोहिताश गुर्जर, सुभाष पायला, रमेश पायला, व्याख्याता हंसराज पायला सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एसएमएस स्कूल द्वारा निकाली गई भव्य तिरंगा रैली

सीआई रामपाल मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। कस्बे में शुक्रवार को एसएमएस स्कूल द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया द्य तिरंगा रैली को उदयपुरवाटी पुलिस थाने के थाना प्रभारी रामपाल मीणा के नेतृत्व में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया द्य बहन सुनीता प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय महाविद्यालय, एडवोकेट मोतीलाल सैनी ,नाथूराम सैनी, सुशील सैनी आदि मौजूद रहे द्य तिरंगा रैली में विद्यालय के छात्र-छात्रा मौजूद रहे हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर भारत माता के जयकारों के साथ कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंचे द्य तिरंगा रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया द्य इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रभु दयाल सैनी, निर्देशक बंशीधर बाजिया, अध्यक्ष रामावतार सैनी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं को बांटे तिरंगे

सरूंड के बालिका विद्यालय में देशभक्ति का दिखा उत्साह, घर-घर तिरंगा लगाने का किया आह्वान

नारेहड़ा। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत सरूंड के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को विद्यार्थियों को तिरंगे वितरित किए गए। विद्यार्थियों ने अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का संकल्प लिया। पैरा लीगल वालंटियर दीक्षा शर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है।

कोटपूतली-बहरोड में कर्मचारियों ने दिखाया दमखम, चिकित्सा विभाग की नई टीम तैयार.....

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की विभागीय समिति का गठन, अमित कुमार गुर्जर निर्विरोध चुने गये प्रथम जिलाध्यक्ष

पूरी कार्यकारिणी घोषित, प्रमोद शर्मा, महावीर यादव व संजीव कुमार सिरोहीवाल जिला संरक्षक नियुक्त

ब्लॉक स्तर पर भी अध्यक्षों की नियुक्तियां, सर्वसम्मति से चुनी गई कार्यकारिणी ने लिया एकजुटता का संकल्प

कोटपूतली। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला कोटपूतली-बहरोड की विभागीय समिति के चुनाव शुक्रवार को खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय कोटपूतली में संपन्न हुये। इस चुनाव में जिले के समस्त मंत्रालयिक कार्मिकों की उपस्थिति रही, जिसमें सर्वसम्मति से वरिष्ठ सहायक अमित कुमार गुर्जर को निर्विरोध प्रथम जिलाध्यक्ष के रूप में चुना गया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अमित कुमार गुर्जर ने अपने विधान में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी एवं ब्लॉक अध्यक्षों के नामों की घोषणा की है।

जिला स्तर की नियुक्तियां

जिला संरक्षक पद पर प्रमोद शर्मा (अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, बीसीएमओ कार्यालय, बानसूर), महावीर प्रसाद यादव (अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, बीडीएम जिला अस्पताल, कोटपूतली), संजीव कुमार सिरोहीवाल (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, बीसीएमओ कार्यालय, कोटपूतली) व जिला संयोजक/वरिष्ठ सलाहकार पद पर हंसराज गुर्जर (अतिरिक्त प्रशासनिक

अधिकारी, बीसीएमओ कार्यालय, विराटनगर), दारासिंह यादव (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सीएमएचओ कार्यालय, कोटपूतली-बहरोड) एवं जिला उपाध्यक्ष पद पर अरुण राठी (अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, बीसीएमओ कार्यालय, बहरोड) व जिला महामंत्री पद पर हरिपाल खरेरा (प्रशासनिक अधिकारी, बीसीएमओ कार्यालय शाहजहांपुर/नीमराणा) एवं जिला कोषाध्यक्ष पद पर देवेन्द्र कुमार (कनिष्ठ सहायक, सीएचसी विराटनगर) तथा जिला विधि एवं कानूनी सलाहकार पद पर हेमराज सैनी (वरिष्ठ सहायक, एसडीएच बानसूर) और जिला प्रवक्ता/प्रचार प्रसार मंत्री/कार्यालय मंत्री पद पर आशीष पटेल (कनिष्ठ सहायक, सीएमएचओ कार्यालय कोटपूतली-बहरोड) एवं जिला महिला संगठन मंत्री पद पर सुशीला यादव (वरिष्ठ सहायक, एसडीएच पावटा), अनीता (कनिष्ठ सहायक, सीएचसी दांतिल), कांता सैनी (कनिष्ठ सहायक, बीडीएम जिला अस्पताल, कोटपूतली), जिला संगठन मंत्री पद पर पवन यादव (कनिष्ठ सहायक, सीएमएचओ कार्यालय, कोटपूतली-बहरोड), यशपाल यादव (कनिष्ठ सहायक, सीएमएचओ कार्यालय कोटपूतली-बहरोड) को नियुक्त किया गया हैं।

ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियां

संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सभी ब्लॉकों में अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिनमें कोटपूतली में खिलनेश कुमार (कनिष्ठ सहायक, सीएचसी गोनेडा), बानसूर में शैलेन्द्र मिश्रा (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, एसडीएच बानसूर), बहरोड में अंशुल यादव (वरिष्ठ सहायक, एसडीएच बहरोड), विराटनगर में बनवारीलाल (कनिष्ठ सहायक, बीसीएमओ कार्यालय, विराटनगर) पावटा में अमित कुमार वाल्मिकी (कनिष्ठ सहायक, बीसीएमओ कार्यालय, पावटा), शाहजहांपुर/नीमराणा में पंकज (कनिष्ठ सहायक, सीएचसी नीमराणा) को नियुक्त किया गया हैं। चुनाव प्रक्रिया व कार्यकारिणी गठन के दौरान भूदेव प्रसाद शर्मा, संदीप चौधरी, आशीष कुमार, दीपिका यादव, शकुंतला यादव, पूनम मीणा, रूपेन्द्र सहित बडी संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी कार्मिकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया और संगठन के हितों के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

हमारे प्रेरणास्रोत / शिखर चंद जैन

इन बाल-किशोर सेनानियों ने भी किया

देश के लिए प्राणों का बलिदान

आजादी की लड़ाई में केवल बड़ी उम्र के सेनानियों ने ही नहीं, छोटी उम्र के वीर बालकों ने भी बड़े साहस से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और अपने प्राणों को न्योछावर कर भारत के इतिहास में अपना नाम अंकित किया। स्वतंत्रता दिवस पर जानो ऐसे ही कुछ देशभक्त सेनानियों की वीरगाथाएं।

तिरंगे का रक्षक शिरीष कुमार मेहता

शिरीष कुमार मेहता भारत के एक महान बाल स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। शिरीष ने मात्र 15-16 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका जन्म 28 दिसंबर 1926 को महाराष्ट्र के नंदुरबार में हुआ था। शिरीष एक गुजराती व्यापारी परिवार की इकलौती संतान थे। उनके परिवार में देशभक्ति का माहौल था। वह बचपन से ही महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों से बहुत प्रभावित थे। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 9 सितंबर 1942 को शिरीष ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर अंग्रजों के खिलाफ एक विशाल जुलूस निकाला। शिरीष हाथों

में गर्व से तिरंगा थामे सबसे आगे चल रहे थे। जुलूस के दौरान बच्चे राष्ट्रभक्ति के नारे लगा रहे थे- 'नहीं नमशे, नहीं नमशे, निशान भूमि भारतनु' (भारत का झंडा कभी नहीं झुकेगा) और 'वंदे मातरम' जब यह जुलूस नंदुरबार के मंगल बाजार इलाके में पहुंचा, तो ब्रिटिश पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की और निहत्थे बच्चों पर बेरहमी से लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के बाद भी जब बच्चों का हौंसला टूटा नहीं, तो पुलिस अधिकारी ने बंदूक तान दी। वीर शिरीष सीना तानकर आगे डटे रहे। पुलिस की बर्बर गोलीबारी में शिरीष के सीने में गोलियां लगीं, वह तिरंगे को थामे हुए वही शहीद हो गए। इस साहस और बलिदान के कारण शिरीष को भारतीय इतिहास में 'बाल शहीद' के रूप में हमेशा याद किया जाता रहेगा। शिरीष के साथ उनके चार अन्य साथी- धन्सुखलाल वाणी, घनश्याम दास शाह, शशिधर केतकर और लालदास भी इस घटना में शहीद हुए थे। *

साहस के साथ अंग्रेजों की खिलाफत बाजी राउत

बाजी राउत ओडिशा के ढेंकनाल जिला स्थित नीलकंठपुर गांव के निवासी थे। उनका जन्म 5 अक्टूबर 1926 को एक बेहद गरीब परिवार में हुआ था। बाजी के पिता हरि राउत एक नाविक थे, जिनकी मृत्यु बाजी के बचपन में ही हो गई थी। बाजी ने भी अपनी आजीविका के लिए ब्राह्मणी नदी के घाट पर नाव चलाने का काम शुरू किया था। उस समय ढेंकनाल के स्थानीय राजा और ब्रिटिश हुकूमत के दमन के खिलाफ वहां 'प्रजामंडल आंदोलन' की शुरुआत हुई। क्रांतिकारियों ने बच्चों को एकजुट कर 'वानर सेना' का गठन किया था, जिसका काम अंग्रेजों की गतिविधियों पर नजर रखना और प्रजामंडल का संदेश फैलाना था। 12 वर्षीय देशप्रेमी बाजी राउत भी इस वानर सेना के सक्रिय सदस्य बन गए। 11 अक्टूबर 1938 की रात ब्रिटिश पुलिस, प्रजामंडल आंदोलन के प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार करने के बाद ब्राह्मणी नदी पार करने के लिए घाट पर पहुंची। बाजी राउत उस समय नाव की रखवाली कर रहे थे। 'तुम हमारे देश के दुश्मन हो' यह कहकर बाजी राउत ने अंगेजों को अपनी नाव से नदी पार कराने से साफ मना कर दिया। वह प्रजामंडल के अपने साथियों को बुलाने लगे। इस बात से गुस्साए एक ब्रिटिश अधिकारी ने बंदूक की बट से उनके सिर पर वार किया और फिर उन्हें गोली मार दी। महज 12 वर्ष की उम्र में शहीद होकर बाजी राउत भारतीय इतिहास में शहीद के रूप में अमर हो गए। *

निडर-साहसी बिशन सिंह

जनवरी 1872 में, ब्रिटिश सरकार ने मलेरकोटला में कूका आंदोलन (नामधारी सिख आंदोलन) के कई क्रांतिकारियों को बिना किसी मुकदमे के तोपों से उड़ाने का क्रूर आदेश दिया था। 49 नामधारी सिखों को तोप में बांधकर उड़ा देने के बाद, ब्रिटिश डिप्टी कमिश्नर जे. एल. कोवान की नजर 12 वर्षीय बालक बिशन सिंह पर पड़ी। बिशन की कम उम्र देखकर कोवान ने कहा कि यदि वह अपनी देशभक्ति और गुरु का साथ छोड़ने की बात मान ले, तो उसकी जान बख्श दी जाएगी। बिशन ने इस अपमानजनक प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया। उन्होंने गुस्से से कोवान की दाढ़ी पकड़ ली। ब्रिटिश सैनिक तमाम कोशिशों के बाद भी ब्रिटिश अधिकारी की दाढ़ी को बिशन के हाथ से नहीं छुड़वा पाए। इससे बौखलाकर सैनिकों ने तलवारों से बिशन के दोनों हाथ काट दिए। बिशन शहीद हो गए। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में देशभक्ति, अद्वितीय साहस और अपने गुरु के प्रति श्रद्धा के लिए सदैव याद किया जाएगा। *

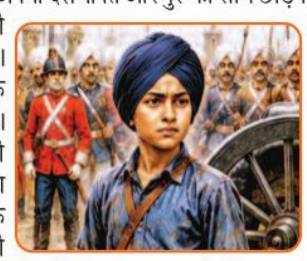

सिंध के भगत सिंह हेमू कालाणी

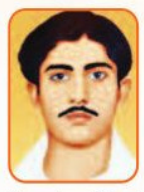

हेमू कालाणी का जन्म 23 मार्च 1923 को अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के सक्खर जिले (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। वह छात्र संगठन 'स्वराज्य सेना' के प्रमुख नेता थे। अक्टूबर 1942 में हेमू को पता चला कि ब्रिटिश सेना हथियारों और बारूद से भरी एक रेलगाड़ी को सिंध के रास्ते क्रांतिकारियों का दमन करने के लिए भेज रही है। हेमू अपने दोस्तों के साथ आधी रात को रेलवे ट्रैक पर पहुंचे और हथौड़े व अन्य औजारों से पटरियों को उखाड़ने लगे। दुर्भाग्य से, वहां गश्त कर रहे ब्रिटिश पुलिसकर्मियों ने आहट सुन ली और हेमू को पकड़ लिया, जबकि उनके दोस्त भागने में सफल रहे। जेल में भारी यातनाएं देने के बाद भी हेमू ने अपने साथियों के नाम नहीं बताए। महज 19 वर्ष की उम्र में, 21 जनवरी 1943 को उन्हें सक्खर जेल में फांसी दे दी गई। फांसी के फंदे पर चढ़ते समय भी उनके चेहरे पर मुस्कान थी। युवा क्रांतिकारी हेमू कालाणी को 'सिंध का भगत सिंह' भी कहा जाता है। *

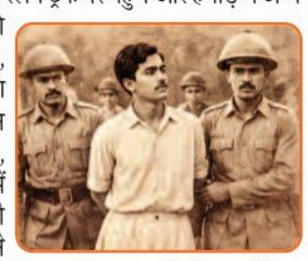

असली विजेता

स्वतंत्रता दिवस पर स्कूल में आयोजित विशेष दौड़ प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले सम्यक को असली विजेता का स्पेशल अवार्ड दिया गया। निर्णायक महोदय ने ऐसा निर्णय क्यों लिया?

छोटी कहानी

मीरा जैन

सम्यक के स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडारोहण के बाद एक विशेष दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को तीन सौ मीटर की दूरी पर रखे तिरंगे झंडे को लेकर वापस आना था। तिरंगा लेकर वापस जो बच्चा सबसे पहले निर्धारित स्थान पर पहुंचेगा, उस बच्चे को विजेता घोषित किया जाना था। इस प्रतियोगिता में स्कूल के कई बच्चों के साथ सम्यक ने भी हिस्सा लिया।

नियत समय पर प्रतियोगिता शुरू हुई। सुबह बारिश हुई थी, इस कारण प्रतियोगिता स्थल की जमीन हल्की गीली हो गई थी। तिरंगा लेकर लौटते वक्त गीली जमीन के कारण दौड़ते हुए सम्यक का पैर फिसल गया,वह गिर पड़ा। उसके एक घुटने और कोहनी में काफी चोटें आईं, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी, वह उठ खड़ा हुआ और तिरंगा लेकर दौड़ने लगा। जैसे-तैसे वह चौथे नंबर पर रहा। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए बच्चों को मेडल दिया गया। निर्णायक महोदय ने घोषणा की कि सम्यक को एक स्पेशल मेडल दिया जाएगा। बच्चे चौंके, चौथे स्थान पर आने वाले सम्यक को किस बात के लिए स्पेशल मेडल दिया जा रहा है!

हुआ यह कि दौड़ पूरी होने के बाद निर्णायक महोदय ने सम्यक को मंच पर बुलाकर पूछा, 'इतनी गहरी चोट लगने के बाद भी तुम्हारे चेहरे पर शिकन नहीं आई, तुमने मुस्कराते हुए अपनी दौड़ पूरी की। ऐसा क्यों?'

सम्यक ने जवाब दिया, 'सर, ये देखिए। मेरी एक तरफ की ही कोहनी और घुटने पर चोट लगी है। इस चोट से मैं बच सकता था, यदि मैंने अपना दूसरा हाथ जमीन पर टिका दिया होता। लेकिन दूसरे हाथ में तिरंगा होने के कारण मैंने उस हाथ से खुद को गिरने से बचाने की कोशिश नहीं की। मैंने तिरंगे को जमीन पर छूने नहीं दिया, जमीन से ऊंचा रखा। मैं नहीं चाहता था, हमारा राष्ट्रीय ध्वज नीचे गिरे, उस पर जरा भी गीली-गंदी मिट्टी लगे...।' प्रतियोगिता के निर्णायक के साथ-साथ आयोजन स्थल पर मौजूद सभी अतिथिगण और दर्शक बड़े ध्यान से सम्यक की बातें सुन रहे थे। सम्यक की तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना देखकर सभी ने तालियां बजाकर सराहना की। सम्यक अपनी बात जारी रखते हुए आगे बोला, '..ये छोटी-मोटी चोट तो कुछ भी नहीं है। सर, मेरी इच्छा है कि मैं सेना में जाकर देश की सेवा करूं। वहां कभी अवसर आया तो मैं हंसते-हंसते अपने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर कर दूंगा। मेरा यह मुस्कुराना, मेरे उसी लक्ष्य की तैयारी है।'

सम्यक का जवाब सुनकर पूरा आयोजन-स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से एक बार फिर गूंज उठा। निर्णायक महोदय ने निर्णय लिया, वह सम्यक को स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। इसका अनुमोदन स्कूल कमेटी के अन्य सदस्यों ने भी किया और सम्यक को स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित किया गया, उसे असली विजेता माना। *

कविता / डॉ. कमलेंद्र कुमार श्रीवास्तव

मत समझो कमजोर

हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर
भारत रूपी इस बगिया में,
सुंदर फूल खिले हैं।
नदियां झरने जंगल इसमें,
पर्वत बड़े-बड़े हैं।
इन फूलों को तोड़ न पाए नहीं किसी में जोर
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।
वीर सिपाही पहरा देते,
दे कृषक हरियाली।
सुख-समृद्धि भारत अपनाए,
घर-घर है खुशहाली।।
आगे बढ़ता देश हमारा है विकास चहुंओर।
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।
निर्मल नदियां बहतीं हरदम,
कल-कल करती रहतीं।
शुभ्र हिमालय उच्च चोटियां,
गौरव गाथा कहतीं।।
कोयल मीठा गीत सुनाए जब हो जाती भोर।
हम नन्हें-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।

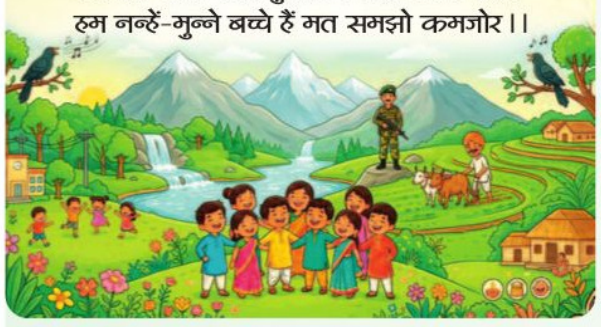

बोलने की आजादी

मंच पर बोलने के नाम से ही भावेश के हाथ-पांव फूल जाते थे। इस बार दोस्तों ने उसका नाम पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम में भाषण के लिए लिखवा दिया। पारस सर ने भी कार्यक्रम में बोलने के लिए उस पर जोर डाला। फिर भी भावेश बोलने से बचता रहा, बहाने बनाता रहा। क्या वह पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम में कुछ बोल पाया?

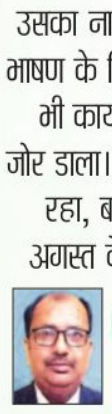

कहानी

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

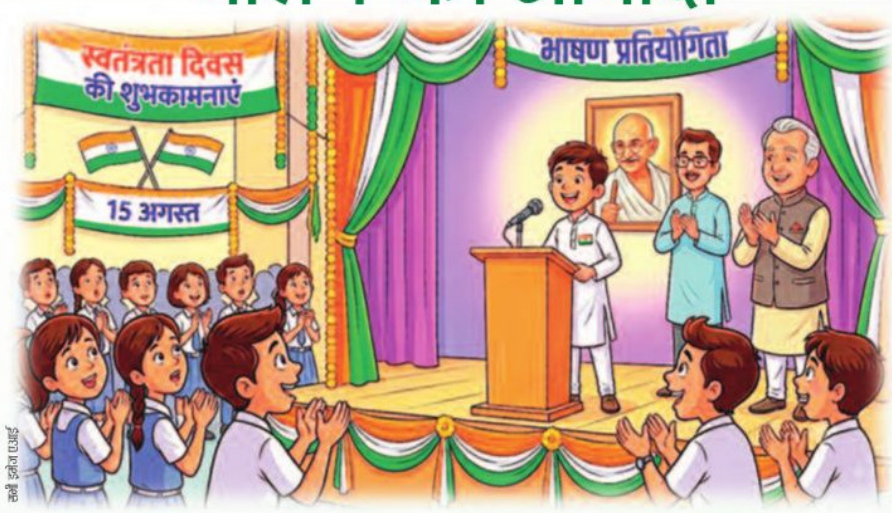

भावेश बुरा फंसा। फंसा क्या, फंसा दिया गया। उसके दोस्तों ने ही फंसा दिया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के लिए तैयारियां चल रही थीं। उसके दोस्तों ने पारस सर से कह दिया, 'सर! भावेश का भी नाम लिख लीजिए। आज तक उसे किसी भी कार्यक्रम में बोलने का मौका नहीं मिला।'

यह सच था, लेकिन भावेश को बोलना ही कहां आता था। मंच पर बोलने के नाम पर उसे बिना बुखार के कंपकंपी छूटती थी। उसने बड़े ही अनुनय और विनम्र भाव से कहा, 'नहीं! नहीं सर! मुझे नहीं बोलना है।'

'क्यों नहीं बोलना है?' पारस सर की आवाज में तल्खी थी। वे उसका नाम लिख चुके थे। उन्होंने सख्ती से कहा, 'तुम्हें तीन मिनट बोलना है। कल तैयारी करके आना। मैं चेक करूंगा।' बेचारा भावेश। वह रुआंसा हो आया। उसने अपने दोस्तों को घूरा। वे सब मुस्कुरा रहे थे।

भावेश वैसे तो खूब बोलता था, लेकिन मंच पर न बाबा न! एक बार बोलने गया था तो आंखों के आगे काले-काले धब्बे जैसे भूत नाचने लगे, थोड़ी देर बाद वह मंच पर ही गिर पड़ा था। अकेले में यह सब बातें उसने सर को बताईं। सर मुस्कुराए, बोले 'अरे! तुम्हारा बीपी लो हो गया होगा। तुम्हें मैं छूट देता हूं। किसी भी विषय पर बोल सकते हो, लेकिन बोलना है। अरे! कोशिश नहीं करोगे तो जीवन भर नहीं सीख पाओगे।' यह कहकर सर आगे बढ़ गए।

बेचारा भावेश! सर उससे रोज क्लास में पूछते, 'तुमने भाषण तैयार किया?'

वह नपा-तुला उत्तर देता, 'सर! अभी तैयारी तो नहीं हो सकी। बोलने की कोशिश तो बहुत कर रहा हूं लेकिन...!' 'शीशे के सामने खड़े होकर बोले?' एक दोस्त ने पूछा तो भावेश ने गुस्से में उसे अच्छा-खासा लेक्चर दे दिया। सर ने डांटा, समझाया भी, 'ऐसे तो खूब बोले जा रहे हो। मंच पर बोलने से क्यों भागते हो?'

अगला पीरियड नागरिक शास्त्र का था। सर ने अनुच्छेद-19 के बारे में पढ़ाया। उन्होंने बताया, 'देश के हर नागरिक को बिना भय के अपने विचार प्रस्तुत करने की आजादी दी गई है। हमें अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रस्तुत करने की पूरी आजादी है। आजादी के अपने इस अधिकार को समझना चाहिए। यह लोकतंत्र की पहचान है। हमें मौन रहने का भी अधिकार है। कुछ न बोलने या चुप रहने की भी आजादी है।'

अभिव्यक्ति के अधिकार के बारे में जानकारी सभी को अच्छी लगी, लेकिन भावेश ने इसे अपने हिसाब से समझा। उसने तय कर लिया था कि अब अगर उससे बोलने को कहा गया तो वह स्पष्ट रूप से मना कर देगा। पूरे तर्क के साथ मना करेगा। उदाहरण देते हुए और अनुच्छेद बताते हुए कि मुझे मौन रहने का भी अधिकार है। भावेश ने घर जाकर अभिव्यक्ति के अधिकार के बारे में और अधिक पढ़ा। यू-ट्यूब पर कई वीडियोज भी देखे। उसकी अच्छी-खासी तैयारी हो गई। उसका भाग्य अच्छा था कि पारस सर पता नहीं क्यों तीन दिन स्कूल ही नहीं आए। अब तो बोलने की बात आई-गई हो गई। भावेश के पास बहानेबाजी के लिए भी पूरा मौका था। सर उसे बोलने को कहेंगे तो वह झूठ बोल देगा, 'मैं तो अपना भाषण लिखकर लाया था, लेकिन आप आए नहीं थे। इसीलिए मैं अपना भाषण चेक नहीं करा पाया। सर जी समझ जाएंगे कि फिर बोलने का क्या मतलब?'

पंद्रह अगस्त आया। पारस सर कार्यक्रम का संचालन कर रहे थे। कुछ बच्चों ने गीत गाए। एक नाटिका का मंचन हुआ। भावेश निश्चिंत होकर सबका आनंद ले रहा था। अचानक सर ने उसका नाम पुकार दिया। यह कहते हुए, 'भाषण का एक रूप आशु भाषण भी होता है। जहां दिए गए किसी विषय पर तुरंत बोलना पड़ता है। चूंकि भावेश ने कोई टॉपिक नहीं लिखाया था, इसलिए मैं उसे पूरी छूट देता हूं कि वह किसी भी मनचाहे विषय पर अपनी बात रखे। हां, समय का ध्यान रहे। तीन मिनट से ज्यादा नहीं।'

भावेश सकते में था, 'वाह सर जी!' उसने देखा, उसके दोस्तों के चेहरों पर शरारत भरी मुस्कान थी। भावेश एक झटके में उठा। नागरिक शास्त्र का पीरियड याद आया। इस बार आंखों के आगे काले धब्बे नहीं तैरे। मन में कोई डर भी नहीं था। हां, गुस्सा जरूर था। उसने अनुच्छेद-19 का हवाला देते हुए बोलना शुरू किया। ऐसा लग रहा था कि वह नाराजगी जता रहा है, दोस्तों से, सर से। लेकिन यह क्या, उसके एक-एक वाक्य पर खूब तालियां बज रही थीं। तीन नहीं, वह पूरे सात मिनट बोलता रहा। वह भी धाराप्रवाह। उसे रोका गया, नहीं तो वह अभी और बोलता। कुछ न बोलने के लिए अपनी बात रखने के नाम पर वह कितना बोल गया था और कितना अच्छा बोल गया था कि मुख्य अतिथि महोदय खुद को रोक न सके। उन्होंने उसे तुरंत बुलाया, उसकी पीठ थपथपाई। सौ रुपए पुरस्कार में दिए और कहा, 'तुम तो बहुत अच्छे वक्ता हो। तुमने तो कमाल ही कर दिया। लगता है खूब पढ़कर आए हो।' भावेश अपनी पंक्ति की ओर लौटा। उसे देखकर मुस्कुराने वाले बच्चों की आंखों में अचरज और आदर का भाव था। वे भी समझ चुके थे कि अगर विषय पर पकड़ हो तो मंच पर बोलना कोई कठिन काम नहीं है। *

कविता / नीता अवस्थी

अपना हिंदुस्तान

तीन रंग से बना राष्ट्र-ध्वज,
चक्र बीच में शान है।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।
नियमित हम विद्यालय जाते,
करते खूब पढ़ाई।
अपने मतलब से मतलब है,
करते नहीं लड़ाई।।
नन्हे-मुन्ने हैं हम बच्चे,
केसरिया परिधान है।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।
अपने पेड़-पहाड़ सभी हैं,
अपनी ही हरियाली।
अपने बाग-बगीचे हैं सब,
घर-घर में खुशहाली।।
अपने पोखर अपने किसलय,
खेत और खलिहान हैं।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।

जीके क्विज-218

1. भारत के राष्ट्रीय ध्वज के मध्य में स्थित चक्र का प्रतीक चिह्न कहां से लिया गया है?
2. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के रचयिता कौन हैं?
3. अंगेजों के खिलाफ पहली क्रांति किस वर्ष हुई थी?
4. महात्मा गांधी को पहली बार राष्ट्रपिता कहकर किसने संबोधित किया था?
5. भारत के वर्तमान सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) कौन हैं?
6. गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह कहां किया था?
7. असहयोग आंदोलन कब शुरू हुआ था?
8. किस आंदोलन के दौरान 'करो या मरो' का नारा दिया गया था?
9. राष्ट्रगान गायन में लगने वाला आदर्श समय कितना है?
10. स्वतंत्र भारत के पहले और आखिरी भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे?

बच्चो, जीके क्विज-218 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-217 का उत्तर : 1.13 गोल्ड मेडल, 2.सिल्वर मेडल, 3.ज्योतिरादित्य सिंधिया, 4.भगवान महावीर, 5.नाइट्रोजन, 6.1857 ई., 7.18 वर्ष, 8.सर्वपल्ली राधाकृष्णन, 9.पत्तियां, 10.किडनी

जीके क्विज-217 का सही उत्तर देने वाले : ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, मन्नत-कैथल, महिमा-ईमेल से, अर्पित-रायपुर, विवेक-दुर्ग, सान्या-बिलासपुर, हर्षिता-बलौदा बाजार, दिव्या-जांजगीर, आयुष-कैथल, जिया शिया-रायगढ़,

रंग भरो-208

रंग भरो-208 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे है। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे है।

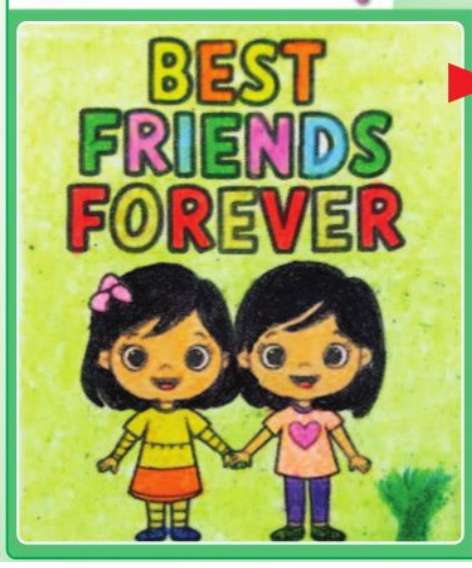

दिव्या, बिलासपुर

रेयांश, बिलासपुर

आशना, जांजगीर

रिया, झज्जर

डॉली, दुर्ग

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिशा-बिलासपुर, प्रियांशु-महासमुंद, राजवर्धन-धमतरी, प्रियंका-रायपुर, प्रगति-बिलासपुर, सुमन-भोपाल, मधु-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, तेजस-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी

रंग भरो 209

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति पूछी जाएगी

कोविड वैक्सीन कहां लगवाई, कितने बैंक अकाउंट जैसे 40 सवाल पूछेंगे; लिस्ट जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से SC, ST या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी। इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ SC/ST का विकल्प था। जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें SC/ST के साथ जाति शब्द भी जोड़ा गया है। खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर ID और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे।

1. पहचान और परिवार: 12 सवालों में नाम से जाति तक जानकारी

जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म और SC/ST/जाति की जानकारी ली जाएगी। माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी।

2. शिक्षा और भाषा: 5 सवालों में पढ़ाई और डिजिटल साक्षरता

इस हिस्से में दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता, स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा।

3. रोजगार: 8 सवालों में काम और नौकरी की जानकारी

व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी।

4. जन्म और माइग्रेशन: 8 सवालों में जन्मस्थान से बच्चों तक की जानकारी

इस सेक्शन में जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, माइग्रेशन का कारण और वहां रहने की अवधि पूछी जाएगी। स्थायी निवास का पता भी दर्ज होगा। महिलाओं से जीवित बच्चों, अब तक जन्मे बच्चों और पिछले एक साल में जन्मे बच्चों की संख्या भी पूछी जाएगी।

5. बैंक डिटेल्स और आधार नंबर: 7 सवालों में डॉक्यूमेंट्स की जानकारी

इसमें कोविड-19 वैक्सीन कहां लगवाई, कुल बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर पूछा जाएगा। साथ ही आधार नंबर, वोटर ड्रष्ठ, पासपोर्ट नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध है या नहीं इसकी जानकारी भी ली जाएगी।

देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी

जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी। केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, RTI के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था।

जनगणना के लिए 11,718 करोड़ का बजट मंजूर

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। जनगणना पूरे देश में केंद्र के समन्वय से होगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में मदद करेंगी।

उत्तराखंड के चमोली में टनल में पानी भरा, 7 मौतें

घटनास्थल जा रहे सांसद की गाड़ी पर बोल्डर गिरा; हिमाचल में रेल ट्रैक पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में गुरुवार शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 मजदूरों को निकाल लिया गया है। वहीं, घायलों से मिलने जा रहे गढ़वाल सीट से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी की चलती कार पर पहाड़ से एक बोल्डर गिर गया। इससे कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया और हेडलाइट टूट गई। हालांकि, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। यूपी के कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड ने रेल और सड़क यातायात प्रभावित किया है। कांगड़ा में पठानकोट-बैजनाथ पपरोला रेल सेक्शन पर ट्रैक पर चट्टानें गिरने से 4 ट्रेन सेवाएं अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं।

चमोली में सुरंग के अंदर रेस्क्यू ऑपरेशन

उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में गुरुवार शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं। उन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 मजदूरों को निकाल लिया गया है।

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट 4 सेकेंड तक आउट ऑफ कंट्रोल रही थी

एयरबस कंपनी की जांच में खुलासा; हाइड्रोलिक सिस्टम बंद होने से विमान 300 फीट नीचे आया था

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के करीब 300 फीट नीचे आने की घटना में नया खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स में एयरबस की शुरुआती ब्लैक बॉक्स जांच के मुताबिक, विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम एक साथ फेल हो गए थे। इस वजह से 4 सेकंड तक विमान पायलट के कंट्रोल से बाहर हो गया था। हाइड्रोलिक सिस्टम विमान को चलाने में मदद करते हैं। जांच के मुताबिक, इसी दौरान फ्लाइट का ऑटोपायलट भी डिस्कनेक्ट हो गया और विमान का कंट्रोल बिगड़ गया था। इसके बाद विमान करीब 300 फीट नीचे आ गया। इस दौरान यात्रियों और केबिन क्रू को झटके लगे थे। कई लोग विमान की छत से जा टकराए। 24 लोग पैसेंजर घायल हो गए।

पाकिस्तानी पीएम की धमकी- पानी रोका तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

कश्मीर पर रुख कभी नहीं बदलेंगे, मुनीर की लीडरशिप में हमने दुश्मन को हराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को एक बार फिर धमकी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर कोई समझौता नहीं होगा। अगर इसे रोकने या कम करने की कोशिश हुई तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने गुरुवार को इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान का रुख कभी नहीं बदलेगा। अपने भाषण में शहबाज ने एक बार फिर सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए दावा किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को हराया।

भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि पर रोक लगाई

सिंधु जल समझौता समझौता भारत-पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा करता है। 19 सितंबर 1960 को भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस पर दस्तखत किए थे। इसके जरिए सिंधु जल प्रणाली में पूरब की 3 नदियों का पानी भारत को और पश्चिम की 3 नदियों का पानी पाकिस्तान को देना तय हुआ था। भारत को रावी, ब्यास और सतलुज नदियों के पानी के उपयोग का अधिकार मिला। पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी दिया गया।

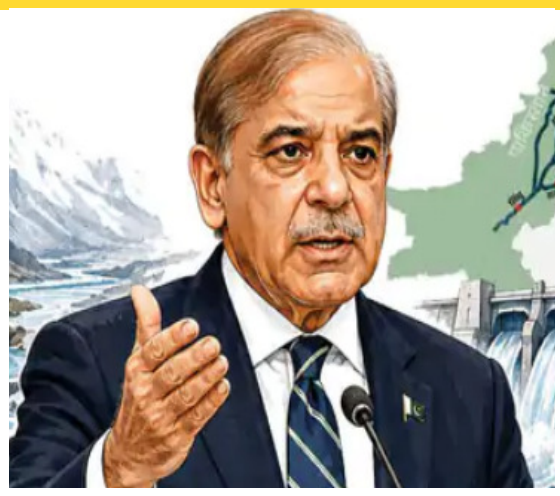

भारत ने 65 साल बाद जल संधि को निलंबित किया

65 साल तक ये संधि चलती रही, लेकिन अप्रैल 2025 में भारत ने इसे निलंबित कर दिया। तभी से यह मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव की बड़ी वजह बना हुआ है। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस और भरोसेमंद कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि पर रोक जारी रहेगी। पाकिस्तान का दावा है कि यह संधि अब भी कानूनी रूप से प्रभावी है और इसे एकतरफा निलंबित नहीं किया जा सकता।

गंभीर जल संकट का सामना कर रहा पाकिस्तान

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान की करीब 80त्न खेती सिंधु नदी प्रणाली के पानी पर निर्भर है। देश के कुल मीठे पानी का अधिकांश हिस्सा इन्हीं छह नदियों से आता है। सिंधु जल संधि पर संकट से सिंध और बलूचिस्तान में पानी की कमी हो रही है। पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था के अहम हिस्से सुक्कुर बैराज को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। पानी का स्तर लगातार घटने से कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

चीन-पाकिस्तान की दोस्ती हिमालय से भी मजबूत

शहबाज ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान की दोस्ती को हिमालय से भी बुलंद बताया। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान का अजीम दोस्त है। हर मुश्किल घड़ी में वह चट्टान की तरह हमारे देश के साथ रहा है।

फिर दोहराया- ट्रम्प ने कराया था युद्धविराम

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में फिर दावा किया कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अहम भूमिका रही थी। उन्होंने ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी पहल से समय रहते युद्धविराम संभव हो सका। हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि संघर्ष विराम दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच सीधे बातचीत से हुआ था और इसमें किसी तीसरे देश की कोई मध्यस्थता नहीं थी।

कश्मीर, फिलिस्तीन और अफगानिस्तान पर भी बोले

अपने भाषण में शहबाज शरीफ ने कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान का रुख नहीं बदलेगा और कश्मीरियों की कुर्बानी बेकार नहीं जाने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान फिलिस्तीन के लोगों के अधिकारों का समर्थन करता रहेगा। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से उन्होंने अपील की कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दे। साथ ही दावा किया कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका भी निभाई है।

आरजी कर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक पर हमला

भीड़ ने पीटा, जूते-अंडे फेंके; जल्दबाजी में डॉक्टर का अंतिम संस्कार कराने का आरोप

परगना। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गिरफ्तार पूर्व TMC विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला किया। पुलिस उन्हें नॉर्थ 24 परगना जिले के खरदह थाने से बैरकपुर कोर्ट ले जा रही थी। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों से पीटा। लोगों ने जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका। दूसरे आरोपी संजीब मुखर्जी को भी भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस और RAF के जवानों ने उनके सिर पर हेलमेट लगा दिया। इसके बावजूद निर्मल घोष के कपड़ों पर कीचड़ और अंडे के निशान दिखे। बैरकपुर कोर्ट पहुंचने पर भी लोगों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। पुलिस ने दोनों आरोपी को कोर्ट लॉकअप में पहुंचाया। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 9 अगस्त 2024 को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। पूर्व TMC विधायक निर्मल घोष सहित 3 आरोपियों पर जल्दबाजी में डॉक्टर का अंतिम संस्कार करवाने का आरोप है। पुलिस ने 13 अगस्त को निर्मल घोष और संजीब मुखर्जी को ओडिशा के बालासोर से गिरफ्तार किया है।

पीड़ित के पिता की शिकायत के बाद हुई गिरफ्तारी

दोनों की गिरफ्तारी पीड़ित के पिता की नई शिकायत के बाद हुई। उन्होंने 10 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे बाद में **FIR** में बदल दिया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि तत्कालीन पानीहाटी विधायक निर्मल घोष ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उनकी बेटी के शव का परिवार की इच्छा के खिलाफ जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराया। पीड़िता के माता-पिता का आरोप है कि अंतिम संस्कार इतनी जल्दी कराया गया कि दोबारा पोस्टमॉर्टम की संभावना खत्म हो गई, जिससे रेप और हत्या से जुड़े अहम सबूत सामने आने से रोके जा सकते थे।

निर्मल घोष पर सबूत मिटाने, आपराधिक साजिश के आरोप

पुलिस के मुताबिक, निर्मल घोष पर सबूत मिटाने, आपराधिक साजिश और किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के खिलाफ काम करने के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप 9 अगस्त 2024 को डॉक्टर का शव मिलने के बाद हुई घटनाओं से जुड़े हैं। निर्मल घोष को उस दिन आरजी कर मेडिकल कॉलेज में देखा गया था। आरोप है कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष के साथ बैठक की थी। संदीप घोष को बाद में मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद निर्मल घोष को उस गाड़ी के साथ भी देखा गया था, जिसमें डॉक्टर का शव श्मशान घाट ले जाया गया था।

मामले में कुल 3 आरोपी, एक अब भी फरार

इस मामले में **FIR** में कुल तीन लोगों के नाम हैं- निर्मल घोष, पानीहाटी नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन सोमनाथ डे और पीड़िता के पड़ोसी संजीब मुखर्जी। निर्मल घोष और संजीब मुखर्जी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि सोमनाथ डे फरार है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।